राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल ने जिलेवार गायों में संक्रमण की स्थिति की समीक्षा की

लंपी वायरस से बचाव के साथ संक्रमण की रोकथाम के प्रभावी उपाय अपनाने के दिए निर्देश

जयपुर, 8 अगस्त। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने गायों को लंपी वायरस संक्रमण से बचाने और रोग होने पर उसकी रोकथाम के लिए राज्य में युद्धस्तर पर प्रभावी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलेवार गायों में संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करते हुए जहां अधिक संक्रमण है, वहां उपयोग में ली जा रही गोट पॉक्स की वैक्सीन डोज दिए जाने, गौशालाओं को सेनेटाइज करने, गायों में इम्यून पावर बढ़ाने के किए समुचित पोषाहार आदि देने और इससे बचाने के लिए हर सम्भव कारगर उपाय अपनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बचाव के लिए औषधियों और आवश्यक आहार का समय पर समुचित वितरण किये जाने का आह्वान किया।

राज्यपाल श्री मिश्र सोमवार को राजभवन में लंपी स्किन वायरस से संक्रमित गायों की स्थिति और बचाव से सम्बंधित विशेष समीक्षा बैठक में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने वायरस से पशुओं की होने वाली मौतों के बाद मृत पशुओं के समुचित निपटान के भी निर्देश दिए ताकि उसके दुष्परिणामों से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि पशुओं के राज्य के भीतर और अंतरराज्यीय परिवहन को प्रभावी ढंग से रोका जाना चाहिए ताकि संक्रमण अप्रभावित क्षेत्रों में नहीं पहुंच सके।

राज्यपाल ने प्रदेश में गौशालाओं और गाय पालकों को स्वच्छता की पूरी तरह से पालना करने तथा घरों में गौदूध को उबालकर पीने के लिए गाँव–शहरों में जागरूकता अभियान चलाए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने संक्रमण से बचाव और रोग की रोकथाम से सम्बंधित गाइड लाइन का भी सभी स्तरों पर प्रभावी प्रचार–प्रसार किए जाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री मिश्र ने वायरस की रोकथाम और संक्रमित पशुओं के इलाज के लिए पशु चिकित्सा अधिकारी और पशुधन सहायकों को सतर्क रहते हुए कार्यवाही करने और स्वास्थ्यवर्धक पशु आहार के बारे में भी पशुपालन विभाग को समय–समय पर सलाह जारी किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने पशु चिकित्सा और पशुविज्ञान विश्वविद्यालय (राजुवास) को भी लंपी वायरस की रोकथाम के लिए राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजुवास अपने सम्बद्ध संस्थानों के इंटर्न छात्रों को पशुपालन विभाग के सहयोग के लिए उपलब्ध करवाए।

पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग के शासन सचिव श्री पी.सी. किशन ने बताया कि राज्य में जोधपुर, श्रीगंगानगर और बीकानेर जिलों को छोड़कर अन्य प्रभावित जिलों में लम्पी वायरस से पशुओं के संक्रमण और मृत्यु दर में गत सप्ताह की तुलना में कमी आई है। उन्होंने बताया कि गोट पॉक्स वैक्सीन की 20 लाख डोज की खरीद के लिए भारत सरकार से स्वीकृति मिल गई है। पहले चरण की पांच लाख वैक्सीन की खरीद कर इसी सप्ताह सरकार के स्तर पर भी टीकाकरण शुरू कर दिया जाएगा ताकि लंपी स्किन वायरस संक्रमण को अप्रभावित पशुओं में फैलने से रोका जा सके। गौशालाओं द्वारा अपने स्तर पर टीकाकरण पहले से ही किया जा रहा है।

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग ने कहा कि भैंस आदि अन्य पशुओं में यह बीमारी फैलने से रोकने के लिए उनका आइसोलेशन किया जाना चाहिए। उन्होंने मच्छरों के माध्यम से बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रभावी सैनिटाइजेशन किए जाने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए एक पाउडर तैयार किया गया है, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है।

बैठक में राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविन्दराम जायसवाल, पशुपालन विभाग एवं राजुवास के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

———